रासूविके - सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस ओन मैक्रोसेर्विसेस – कोच्ची

माइक्रोसर्विसेज और देवऑप्स पर आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम : 2026 फरवरी 23 से 27 तक

एनआईसी अधिकारियों के दसवें बैच ने माइक्रोसर्विसेज और देवऑप्स पर एनआईसी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑन माइक्रोसर्विसेज (एनआईसी-सीईएम) कोच्चि में प्रौद्योगिकी अद्यतन कार्यक्रम पूरा किया। एनआईसी प्रशिक्षण प्रभाग द्वारा एनआईसी सीईएम के सहयोग से 23 से 27 फरवरी 2026 तक पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। एनआईसी पैन इंडिया से पच्चीस प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन एचओडी सीईएम श्री चंद्रन एस द्वारा किया गया और सीईएम प्रशिक्षण समन्वयक श्री सुनील कुमार एआर ने कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। एनआईसी मुख्यालय के प्रशिक्षण प्रभाग के प्रमुख और प्रशिक्षण समन्वयक श्री महेश नौटियाल ने कार्यक्रम में ऑनलाइन भाग लिया और इस अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित किया। सीईएम से श्रीमती श्रीलता एस ने कार्यक्रम का समन्वय किया और सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया।

पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए मॉड्यूल को इस तरह से डिजाइन किया गया था कि प्रतिभागी माइक्रोसर्विसेज आर्किटेक्चर (एमएसए) की बुनियादी अवधारणाओं, डिजाइन और माइक्रोसर्विसेज आइडेंटिफिकेशन में उपयोग किए जाने वाले पैटर्न, केस स्टडी के साथ एमएसए में डेटाबेस माइग्रेशन, एमएसए में इंटर सर्विस कम्युनिकेशन, एपीआई गेटवे, कंटेनर टेक्नोलॉजी, विभिन्न तकनीकों में डॉकर का उपयोग करके कंटेनरीकरण, देवऑप्स, आईडीसी लैब सेटअप पर डेमो और सीआई/सीडी पाइपलाइन वर्कफ्लो, कीक्लोक और सीईएम द्वारा जेनेरिक सेवाएं आदि को समझ सकें। सीईएम संकायों ने सभी तकनीकी सत्रों का संचालन किया और एनआईसी केरल राज्य केंद्र के श्री अरुण वर्गीज ने ई-गवर्नेंस अनुप्रयोगों के आधुनिकीकरण पर सत्र दिया।

कुछ प्रतिभागियों ने अपने-अपने प्रोजेक्ट्स में आधुनिक फ्रेमवर्क और टूल्स के इस्तेमाल किए अपने अनुभव को दिखाने के लिए स्वेच्छा से आगे आए। पश्चिम बंगाल की श्रीमती शीला रानी साहू और श्री संदीप प्रमाणिक ने अपने डेटा सेंटर में लागू किए गए इंटीग्रेटेड 'DevSecOps Platform' पर एक सेशन दिया, जिसमें ऑपरेशन्स को सुरक्षित रूप से ऑटोमेट करने के लिए अपनाए गए अत्याधुनिक उपायों के बारे में बताया गया। केरल के श्री श्याम कृष्ण बी.जी. ने 'Passkeys' का एक ओवरव्यू दिया, जिन्हें 'ILIMS' (EnteBhoomi) प्रोजेक्ट में फिशिंग की कोशिशों को रोकने और मुख्य क्रिप्टोग्राफी-आधारित पासवर्ड-रहित ऑथेंटिकेशन मानकों का लाभ उठाने के लिए लागू किया गया है।

प्रतिभागियों से 5 टीमों का गठन किया गया और टीमों को एमएससीए के आधार पर पीओसी चुनने के लिए परियोजना विषय प्रदान किए गए। समापन दिवस पर सभी टीमों ने अपने पीओसी प्रस्तुत किए। जूरी पैनल का नेतृत्व श्री सुनील कुमार एआर, वैज्ञानिक-एफ, श्रीमती जयश्री सुरेश,वैज्ञानिक -एफ, श्री राफे पी जे, वैज्ञानिक-ई, श्रीमती मीनू एबी अब्राहम, वैज्ञानिक-ई और श्रीमती श्रीलता एस, वैज्ञानिक-सी द्वारा किया गया था। अवधारणा, एमएसए के लिए उपयुक्तता, सेवाओं की पहचान, प्रस्तावित उपकरण/भाषाएं/प्रौद्योगिकियां,सामग्री की गुणवत्ता और प्रस्तुति कौशल के आधार पर मूल्यांकन किया गया।

पीओसी प्रतियोगिता में विजेता:

प्रथम श्रेणी : टीम-डी
एनआईसी तमिलनाडु के चन्द्रशेखरन सी, वैज्ञानिक-एफ, पंजाब के कीर्ति महाजन, वैज्ञानिक- ई, रोहित कुमार, वैज्ञानिक- डी, दिल्ली मुख्यालय , संदीप प्रमाणिक, वैज्ञानिक- डी, पश्चिम बंगाल , आकाश जोशी, वैज्ञानिक- बी, महाराष्ट्र ने हेल्थकेयर एवं इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम को कैसे एमएसए अपनाया जा सकता है प्रस्तुत कर के प्रथम स्थान हासिल किया।

दूसरी श्रेणी : टीम- सी
प्रतियोगिता में टीम- सी ने दूसरा स्थान हासिल किया, जिसमें एनआईसी मध्य प्रदेश के श्री संजय गर्ग, वैज्ञानिक - एफ, असम के श्री प्रणब चक्रवर्ती, वैज्ञानिक- एफ, दिल्ली मुख्यालय के श्री श्रीजीत एन.पी., वैज्ञानिक- ई, पश्चिम बंगाल के श्री सुदीप्ता डे, वैज्ञानिक- डी, और पुडुचेरी के श्री शेख रशीद, वैज्ञानिक - डी ने यातायात प्रबंधन प्रणाली में एमएसए को अपनाना प्रस्तुत किया था।

तीसरी श्रेणी : टीम- बी
एनआईसी मुख्यालय के श्री रंजीत कुमार, वैज्ञानिक- एफ, पंजाब के श्री दिनेश शर्मा, वैज्ञानिक- एफ, पश्चिम बंगाल के श्री सिद्धार्थ सेन, वैज्ञानिक- ई, केरल के श्री सुजीश ए. वी., वैज्ञानिक- डी, और मिजोरम के श्री कृष्ण नाथ वी., वैज्ञानिक- बी ने एकीकृत शहर कमांड और नियंत्रण प्लेटफ़ॉर्म में एमएसए की स्वीकार्यता पर पीओसी प्रस्तुत कर के प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

पीओसी टीमें :

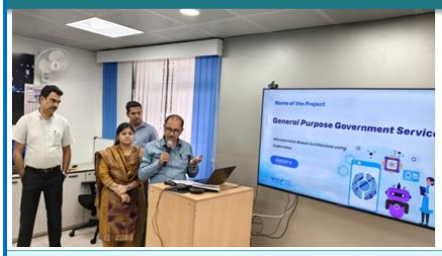

तकनीकी सत्रों को श्री सुनील कुमार ए.आर, वैज्ञानिक-एफ (माइक्रोसर्विसेज आर्किटेक्चर का परिचय, डेमो के साथ डेटा प्रबंधन और लेनदेन प्रबंधन), श्रीमती जयश्री सुरेश, वैज्ञानिक-एफ (माइक्रोसर्विस डिज़ाइन पैटर्न, रैबिटएमक्यू का उपयोग, देवऑप्स का परिचय, सीआई/सीडी पाइपलाइन सेटअप, जेनकिंस के ज़रिए कुबेरनेट्स में डिप्लॉयमेंट, वगैरह), श्रीमती मीनू एबी अब्राहम, वैज्ञानिक-ई (केस स्टडी के साथ एमएसए माइग्रेशन के लिए पैटर्न चुनना।, एमएसए में संचार के लिए अपाचे-काफ्का, मिन आईओ का उपयोग करके फ़ाइल अपलोड सेवा), श्री रफी पीजे, वैज्ञानिक-ई (माइक्रोसर्विसेज में संचार- आंतरिक और बाहरी, रैबिटएमक्यू), श्रीमती श्रीलता एस, वैज्ञानिक-सी (कंटेनर टेक्नोलॉजी, कुबेरनेट्स, डॉकर सेट अप, सी-हब और डेवऑप्स एनआईसी संसाधनों को परिचित करना, जावा-पोस्टग्रेएसक्यूएल, डॉट नेट, रेडिस के साथ और पायथन एप्लिकेशन प्रैक्टिकल सहित का कंटेनरीकरण), और एनआईसी केरल राज्य से श्री अरुण वर्गीज ई-गवर्नेंस एप्लीकेशन को मॉडर्न बनाना और नए प्लेटफॉर्म की गुंजाइश पर संचालन किया।

27 फरवरी, 2026 को आयोजित समापन समारोह में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाली टीमों के सभी सदस्यों को पुरस्कार वितरित किए गए। अन्य सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार दिए गए। इस समारोह के दौरान प्रत्येक प्रतिभागी को प्रमाण पत्र और एक मुद्रित समूह चित्र वितरित किए गए। प्रशिक्षण पर प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए एनआईसी ई-फॉर्म प्लेटफॉर्म का उपयोग किया गया। सीईएम विभाग के विभागाध्यक्ष समापन समारोह में ऑनलाइन शामिल हुए। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण और कार्यक्रम के दौरान की गई सभी व्यवस्थाओं के बारे में अपने विचार और टिप्पणियाँ व्यक्त कीं। सीईएम प्रशिक्षण समन्वयक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

****

NIC-CENTRE OF EXCELLENCE ON MICROSERVICES – KOCHI

Residential Training Programme on Microservices and DevOps : 23 To 27 February 2026

The 10th batch of NIC Officers completed the Technology update programme on Microservices and DevOps from NIC Centre of Excellence on Microservices (NIC CEM) Kochi. The 5 days residential training programme was organized from 23rd to 27th February 2026 by NIC Training Division in association with CEM. Twenty Five participants from NIC PAN India attended the training.

Sitting L-R=> Raju T K, Arun K Varghese, Raphie P J, Sreelatha S, Sunilkumar A R Trng. Coordinator NIC CEM, Chandran S HoD NIC CEM, Jayashree Suresh, Meenu Abby Abraham, Vanitha P Reji, M M Shamsath Haseena **Standing Row1 L-R=>** N.S.Kumaran, Sheik Rasheed, Smriti Singh, Kirti Mahajan, Shila Rani Sahoo, M. Susy, Yogesh Kumar Singh, Chandrasekaran C. **Standing Row2 L-R=>**Sanjay Garg, Pranab Chakravarty, Dr. Siddhartha Sen, Debdeep Guha, Sujeesh A V, Syamkrishna B.G., Ranjeet Kumar, Sreejith N.P. **Standing Row3 L-R=>** Akash Joshi, Sudipta De, Sunil Dalal, Rohit Kumar, Sanjeev Kumar Sharma, Dinesh Sharma, Sandip Pramanik, Krishna Nath V

HoD, NIC CEM Shri. Chandran S. formally launched the program in the august presence of Training Division HoD & Training coordinator Shri. Mahesh Nautiyal, NIC HQ, who participated virtually. Shri. Sunil Kumar A. R., NIC CEM Training coordinator extended a warm welcome to all the participants. Smt. Sreelatha S. oversaw the program and greeted all of the dignitaries.

The modules for the five-day residential training programme were designed in such a way that the participants can understand the basic concepts of Microservices Architecture (MSA), patterns used in design and microservices identification, database migration to MSA with case studies, inter service communication in MSA, API gateway, container Technology, containerization using docker in different technologies, DevOps, demo on IDC lab setup and CI/CD pipeline workflow, Generic services by NIC CEM and keycloak etc. in their projects. NIC-CEM faculties handled all the expert sessions and shri. Arun Varghese from NIC Kerala handled the session on modernising eGovernance applications.

Some of the participants volunteered to become faculty members in order to embrace the newest technological trends at NIC and to demonstrate contemporary frameworks and tools utilized in their projects. Smt. Shila Rani Sahoo and Shri. Sandip Pramanik from West Bengal delivered a talk on the unified 'DevSecOps' Platform deployed at their data center, revealing the state-of-the-art steps taken to safely automate the operations. Shri. Syam Krishna B.G. from Kerala gave an overview of PassKey, which has been employed in the 'ILIMS (EnteBhoomi)' project to thwart phishing attempts and key cryptography-based password-less authentication standards.

5 teams were formed from the participants and teams were allotted with the project topics to choose for PoC based on MSA. On the closing day all the 5 teams presented their POCs. The Jury panel was headed by Shri. Sunil Kumar A.R., Sci-F, Smt. Jayashree Suresh, Sci -F, Shri. Raphe P.J., Sci-E, Smt. Meenu Abraham, Sci-E, and Smt. Sreelatha S., Sci-C. Evaluation was done on the basis of Concepts, Suitability for MSA, Identification of Services, Tools/Languages/Technologies Proposed, Quality of Content and Presentation Skills.

PoC Competition Winners:

First Position :
Team – D comprising Shri.Chandrasekaran C., Scientist-F, Tamil Nadu, Smt. Kirti Mahajan, Scientist-E, Punjab, Shri. Rohit Kumar, Scientist-D, NIC HQ, Shri. Sandip Pramanik, Scientist-D, West Bengal, Shri. Akash Joshi, Scientist-B, Maharashtra presented how MSA can be adopted for Healthcare and Emergency Response System and scored first position.

Second Position :
Team-C comprising Shri. Sanjay Garg, Scientist-F, Madhya Pradesh, Shri. Pranab Chakravarty, Scientist-F, Assam, Shri. Sreejith N.P., Scientist-E, NIC HQ, Shri. Sudipta De, Scientist-D, West Bengal, Shri. Sheik Rasheed, Scientist-D, Puducherry won second position by presenting suitability of MSA in Traffic Management Systems.

Third Position :
Team-B secured the third position in the competition with Shri. Ranjeet Kumar, Scientist-F, NIC HQ, Shri. Dinesh Sharma, Scientist-F, Punjab, Shri. Siddhartha Sen, Scientist-E, West Bengal, Shri. Sujeesh A. V., Scientist-D, Kerala, Shri. Krishna Nath V., Scientist-B, Mizoram for their PoC on adopting MSA in Integrated City Command and Control Platform.

Prizes were distributed to all the members of the first three placed teams at the closing ceremony held on 27th February 2026. All other participants were given consolation prizes.

The technical sessions were handled by Shri. Sunil Kumar A.R., Scientist-F (Introduction to Microservices Architecture, Data Management and Transaction Management with a case study), Smt. Jayashree Suresh, Scientist-F (Microservice Design Patterns, Use of Apache-Kafka, Introduction to DevOps, CI / CD Pipeline Setup, Deployment in Kubernetes through Jenkins, MailQ service, Keycloak, etc.), Smt. Meenu Abby Abraham, Scientist-E (Choosing Patterns for MSA Migration with a Case Study, File Upload Service using MinIO), Shri. Raphie P.J., Scientist-E (Communication in Microservices - Internal and External, RabbitMQ), Smt. Sreelatha S., Scientist-C (Container Technology, Kubernetes, Docker Set up, familiarization of C-Hub and DevOps NIC resources, containerization of Java-PostgreSQL, .NET with Redis and Python application practical's), and Shri Arun Varghese from NIC Kerala State covered the topic of modernize e-Governance applications and scope of new platforms.

Certificates and a printed group picture were given to each participant during the valedictory event. The NIC e-Forms platform was used to collect participant feedback one-on-one. Both the Training Division and HOD CEM joined virtually in the valedictory event. Participants expressed their thoughts and remarks about the training and all of the arrangements during the event. The program ended with a vote of gratitude from the CEM Training Coordinator.

Glimpses of Sessions

Lighter Moments:

NIC-CEM Kochi